This question paper contains 3 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक .....

1147

B.A. (Hons.) बी.ए. (ऑनर्स) / III B

HINDI – Paper VII

हिन्दी – प्रश्न-पत्र VII

(आधुनिक हिन्दी कविता-2 : प्रगतिवाद और नई कविता)

(प्रवेश-वर्ष 2000 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 38**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(क) या भीतर जाकर पूछ आइए आप
है गीत बेचना वैसे बिल्कुल पाप
क्या करूँ मगर लाचार
हार कर गीत बेचता हूँ .....
मैं तरह-तरह के गीत बेचता हूँ
मैं किसिम-किसिम के गीत बेचता हूँ ।

अथवा

खड़ा हुआ वह बीच सड़क पर
दोनों हाथ पेट पर रख कर
सधे कदम रख करके आये
लोग सिमट कर आँख गड़ाये
लगे देखने उसको जिसकी तय थी हत्या होगी । 5

(ख) दाने आये घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन के ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठी घर भर की आँखें कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलाई पाँखें कई दिनों के बाद ।

अथवा

यह नदी कगारे नहीं काटती
अपना पाट नहीं बदलती
जैसे बहती थी वैसे बहती है
आज भी इसके किनारे के गाँवों में
सिंघाड़े के तालों में
बड़े-बड़े मटके औंधाए
मैं खटिकों को नंग-धड़ंग पानी में घुसे
सिंघाड़े तोड़ते देखता हूँ । 5

(ग) मानव की आत्मा के शिल्पी हैं, अनके वंशज हैं,
जिनका सिर ऊँचा है, जिनका दिल सोना है,
जिनकी कृति आजतक चमकती है,
जिनका ईमान किसी दाम पर बिका नहीं
शासन से स्वाभिमान झुका नहीं,
इसीलिए हमको वह बंधन सब बहुत बुरे लगते हैं
जिनमें हम बँधते ही मौलिकता खोते हैं ।

अथवा

यह मेरा देश है
और यह मेरे देश की जनता है
जनता क्या है ?
एक शब्द ..... सिर्फ़ एक शब्द है
कुहरा और कीचड़ और काँच से
बना हुआ .....
एक भेड़ है
जो दूसरों की ठंड के लिए
अपनी पीठ पर
ऊन की फसल ढो रही है । 5

2. "भवानी प्रसाद मिश्र के काव्य पर गाँधी-दर्शन का व्यापक प्रभाव है ।" इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ?

अथवा

केदारनाथ अग्रवाल के काव्य की प्रगतिवादी चेतना का विवेचन कीजिए । 8

3. नागार्जुन **अथवा** रघुवीर सहाय के जनवादी विचारों को स्पष्ट कीजिए । 8

4. किसी **एक** पर टिप्पणी कीजिए : 7

(क) 'कुआनो नदी' में व्यक्त ग्रामीण जीवन की विडंबना

(ख) 'पटकथा' में धूमिल का मोहभंग

(ग) 'सड़क पर रपट' की भाषा